12·20-1|2 hrs.

BANARAS HINDU UNIVERSITY (AMENDMENT) BILL, 1965

(As passed by Rajya Sabha)

Secretary: Sir, I lay on the Table of the House the Banaras Hindu University (Amendment) Bill, 1965, as passed by Rajya Sabha.

Mr. Speaker: The Members can have the copies of the Bill.

12.21 hrs.

Re: QUESTION OF PRIVILTGE

डा० राम मनोहर लोहिया (फर्रुखाबाद): अध्यक्ष महोदय, मैं श्री प्रधान मंत्री के खिलाफ इच्छोगिल नहर के सम्बन्ध में एक विशेषाधिकार का सवाल उठा रहा हूं। वह बिल्कुल तथ्यों पर है। पहला तथ्य यह है कि क्या इच्छोगिल नहर सतलुज नदी के नीचे बहती है या सतलज नदी के ऊपर। मैंने अपने भाषण में कहा था कि इच्छोगिल नहर, खेमकरण और कसूर के इलाके में सतलज नदी के नीचे बहती है। प्रधान मंत्री साहब ने अपने जवाब में कहा कि वह नहर ऐसी है जिसके नीचे नदी बहती है और वह नदी के ऊपर बहती है। तो पहला सवाल तो यह है कि कौन किसके ऊपर बहती है, नदी या नहर। अगर यह साबित हो जाये और माननीय सदस्यों को इस सवाल को बड़ी गम्भीरता से सोचना चाहिये—अगर यह साबित हो जाये ....

अध्यक्ष महोदय: एक सवाल हो गया, अब दूसरी बात।

डा० राम मनोहर लोहिया: दूसरी बात यह कि अगर इच्छोगिल नहर सतलज नदी के नीचे से बहती है तब पाकिस्तान की सरकार और पाकिस्तान के पलटनी नेतृत्व के लिये यह सम्भव था कि वह उसके पानी को रोक करके अपनी पलटनों को खुफिया तौर से ऐसे ढंग से जिसमें भारतीय पलटनों को पता नहीं चलता, उस सुरंग से ले जाते। फिर भी प्रधान मंत्री ने इन्कार किया। तो आप मुझे इजाजत दें तो मैं अपना प्रस्ताव पढ़ कर सुना दूं।

अध्यक्ष महोदय: प्रस्ताव पढ़ने की जरूरत नहीं। आपका जो बयान है उसी को पढ़ेंगे या कुछ और। अगर वही पढ़ेंगे तो मैं पढ़ कर सुना देता हूं।

आपने इसमें लिखा है कि :

"डा० राम मनोहर लोहिया .....

डा० राम मनोहर लोहिया: मैंने डाक्टर नहीं लिखा है। मैं यह कभी नहीं करता। मैं डाक्टर को बिलकुल नापसन्द करता हूं।

अध्यक्ष महोदय: जब मुझे कहना हो तो मुझे कुछ आदर और सत्कार से ही कहना चाहिये, आप चाहे जैसा सलूक करें।

> "उसके साथ साथ दूसरी बात बताऊं कि कसूर और खेमकरण के बीच में एक सुरंग बनी हुई है जिस सुरंग का इस युद्ध से बड़ा जबर्दस्त संबंध था।"

माफ कीजिये, मैं आहिस्ता आहिस्ता पढ़ सकता हूं, जल्दी जल्दी नहीं पढ़ सकता।

> "जिस सुरंग के पानी को बन्द करके पाकिस्तान ने अपनी पलटनें छिपा कर ऐसे भेजीं कि भारत की पलटनें फंस गईं। खेमकरण और कसूर वाली जगह हमारी"

इसमें एक जगह खाली है। इसमें "मात" नहीं लिखा। अगर "मात" मान लें तो है :

> "हमारी मात हुई तो उसका कारण यह इच्छोगिल नहर की सुरंग था।"

और प्रधान मंत्री जी ने कहा :

> "बाकी चीजें नहीं हैं जो टनल वगैरह के बारे में कहा गया उसे डा० राव ने एक्सप्लेन किया ही होगा।"

श्री हरि विष्णु कामत (होशंगाबाद) "एक्सप्लेन" अंग्रेजी है।